e-ISSN No. 3107/6564

भाग 01 अंक 02 / जुलाई 2025

e-ISSN No. 3107/6564

NATIONAL AGRICULTURAL STUDENTS ORGANIZATION

हिंदी मासिक

कृषि पत्रिका

(कृषि छात्रों, किसानों एवं कृषि वैज्ञानिक हेतु समर्पित)

Contact to us - E-mail: editorinchief@naso.org.in / website: www.naso.org.in

e-ISSN No. 3107/6564

डॉ. भाष्कर दुबे
मुख्य संपादक
ediotorinchief@naso.org.in

डॉ अनुराग रजनीकांत तायडे
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कीट विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ. अमित कुमार
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि अर्थशास्त्र विभाग, SHUATS, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

अनुग्रह साक्षी
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निखिल तिवारी श्रीदत्त
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

शशांक सिंह
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - शस्य विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रकाशक –

डॉ. भाष्कर दुबे

पत्रिका का प्रकार - हिंदी, मासिक, कृषि पत्रिका

पंजीकृत पता - अतरौरा मीरपुर, सोनपुरा, प्रतापगढ़ (उ.प्र.) 230124

कार्यालय - गंगोत्री नगर, SHUATS कृषि विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211007

Website – www.naso.org.in

E-mail – editorinchief@naso.org.in

Contact – 9936902749 / 7068708058

e-ISSN No. 3107/6564

स्वीट कॉर्न की उन्नत खेती

उच्च उत्पादन, बेहतर स्वाद और अधिक मुनाफे वाली आधुनिक फसल

मोनिका
पीएचडी शोध छात्रा
शस्य विज्ञान विभाग, शुआट्स, प्रयागराज

परिचय

स्वीट कॉर्न (Sweet Corn) मक्का की एक विशेष किस्म है, जिसमें **शर्करा (Sugar)** की मात्रा अधिक होती है। इसका स्वाद मीठा होने के कारण इसे उबालकर, भूनकर, सूप, पॉपकॉर्न, या सब्ज़ी के रूप में खाया जाता है। हाल के वर्षों में भारत में इसकी **मांग व व्यावसायिक खेती** तेजी से बढ़ी है, क्योंकि यह **कम अवधि की फसल** होने के साथ-साथ **अधिक लाभदायक** भी है।

जलवायु एवं मिट्टी (Climate & Soil)

- यह फसल **समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय जलवायु** में अच्छी तरह उगाई जा सकती है।
- तापमान 20°C से 30°C उपयुक्त माना जाता है।
- **अच्छी जल निकास वाली दोमट या बलुई दोमट मिट्टी**, जिसमें जैविक पदार्थ पर्याप्त हों, सबसे उत्तम रहती है।
- मिट्टी का pH मान 6.0–7.5 के बीच होना चाहिए।

उन्नत किस्में (Improved Varieties)

भारत में लोकप्रिय कुछ उन्नत किस्में –

किस्म का नाम	विशेषता	अवधि (दिनों में)
Madhuri, Sugar-75, WinGold, Priya, HSC-1, American Sweet Corn	मीठे दाने, अधिक उत्पादन	75–90
HiSweet, Sugar-86, Sweet Gold	**बाजार में उच्च मांग, स्वादिष्ट**	**80–95**

भूमि की तैयारी (Land Preparation)

- ✓ खेत को 2–3 बार हल चलाकर भुरभुरा बना लें।
- ✓ प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाएं ताकि मिट्टी समतल हो जाए।
- ✓ **गोबर की सड़ी खाद या कम्पोस्ट 10–12 टन प्रति हेक्टेयर** डालें।

बीज की बुवाई (Sowing Method)

- बुवाई का समय –
  - ***खरीफ:*** जून–जुलाई
  - ***रबी:*** अक्टूबर–नवंबर
  - ***ग्रीष्म:*** फरवरी–मार्च
- बुवाई की दूरी –
  - कतार से कतार: 60 सेमी
  - पौधे से पौधे: 20 सेमी
- बीज की मात्रा – **8–10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर**
- बीज को बुवाई से पहले **फफूंदनाशी (Carbendazim 2g/kg)** से उपचारित करें।

सिंचाई प्रबंधन (Irrigation Management)

- ➢ पहली सिंचाई बुवाई के 7–10 दिन बाद करें।
- ➢ बाद में हर 10–12 दिन पर सिंचाई आवश्यक है।
- ➢ फूल आने और दाने बनने के समय नमी बनाए रखना बहुत जरूरी है।
- ➢ ड्रिप या स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली अपनाने से पानी की बचत और बेहतर उत्पादन मिलता है।

e-ISSN No. 3107/6564

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन (NUTRIENT MANAGEMENT)

प्रति हेक्टेयर सिफारिश -

1) **गोबर की खाद:** 10–12 टन
2) **नाइट्रोजन (N):** 120–150 किग्रा
3) **फॉस्फोरस (P_2O_5):** 60 किग्रा
4) **पोटाश (K_2O):** 40 किग्रा

नाइट्रोजन को तीन भागों में बाँटें –

1. पहला भाग बुवाई के समय,
2. दूसरा भाग घुटनों की ऊँचाई पर,
3. तीसरा भाग बालियाँ निकलने से पहले दें।

रोग व कीट प्रबंधन (PEST & DISEASE CONTROL)

मुख्य कीट:

- तना छेदक कीट, फॉल आर्मीवॉर्म
  नियंत्रण: क्लोरोपाइरीफॉस या क्विनालफॉस का छिड़काव करें।

मुख्य रोग:

- पत्ती धब्बा, दाने का सड़ना
  नियंत्रण: कार्बेन्डाजिम 0.1% या मैनकोजेब 0.25% का छिड़काव करें।

प्राकृतिक उपाय:

- नीम तेल (5%) का छिड़काव कीट नियंत्रण में सहायक है।

फसल की कटाई (HARVESTING)

- बुवाई के **75–90 दिन बाद** फसल तैयार होती है।
- जब बालियाँ (cobs) भरी और दाने मुलायम हों, तभी तोड़ाई करें।
- भंडारण हेतु बालियों को छिलके सहित रखें ताकि नमी बनी रहे।

उपज एवं लाभ

- औसत उपज: **60–80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर**
- यदि फसल अच्छी देखभाल से की जाए तो **1 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तक शुद्ध लाभ** संभव है।

उन्नत तकनीकें (MODERN TECHNIQUES)

1. **ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग:** जल व खरपतवार नियंत्रण में उपयोगी।
2. **इंटरक्रॉपिंग:** मूँगफली या सब्ज़ियों के साथ मिश्रित खेती से अतिरिक्त आमदनी।
3. **F1 हाइब्रिड बीजों का उपयोग:** उच्च उत्पादन व गुणवत्ता के लिए।

निष्कर्ष

स्वीट कॉर्न की उन्नत खेती किसानों के लिए **कम अवधि में अधिक लाभ** देने वाला विकल्प बन रही है। यदि वैज्ञानिक पद्धतियों जैसे **संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट प्रबंधन, और आधुनिक सिंचाई प्रणाली** अपनाई जाए, तो यह फसल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

संदेश:

- ✓ "मीठे दाने, सुनहरे भविष्य की निशानी
- ✓ स्वीट कॉर्न की उन्नत खेती अपनाइए, समृद्धि पाइए!"